पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 0771–2262802 (अकादमिक),0771–2262540 (कुलसचिव),फैक्स–0771–2262818, 2262607, ई–मेलः *academicprsu2@gmail.com*

क्रमांक 583/अका./पाठ्यक्रम/2023 रायपुर, दिनांकः 04/08/2023

//अधिसूचना//

अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 4175/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 22.08.2023 के अनुक्रम में सूचित करना है कि शिक्षा सत्र 2023–24 (परीक्षा–2024) के केन्द्रीय अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित स्नातक स्तर बी.ए. भाग–एक हिन्दी साहित्य के द्वितीय प्रश्न पत्र (हिन्दी कथा साहित्य) में कहानी क्रमांक–08 नकली हीरे के लेखक का नाम टंकण त्रुटिवश''उषा प्रियवंदा'' टंकित हो गया है।

अतः बी.ए. भाग–एक हिन्दी साहित्य के द्वितीय प्रश्न–पत्र (हिन्दी कथा साहित्य) में कहानी क्रमांक–08 नकली हीरे के लेखक का नाम सुधारकर मन्नू भण्डारी पढ़ा जाए।

संलग्न :– पाठ्यक्रम की प्रति।

आदेशानुसार,

उप कुलसचिव (अका.)

पृ. क्रमांक 584/अका./पाठ्यक्रम/2023 रायपुर, दिनांक 04/08/2023

प्रतिलिपि :–

1. अवर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 4175/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 22.08.2023 के अनुक्रम में सादर सूचनार्थ।
2. प्राचार्य, संबद्ध समस्त महाविद्यालयों को इस निर्देश के साथ अग्रेषित कि इस अधिसूचना से समस्त शिक्षकों एवं छात्रों को अवगत करावें।
3. उप–कलसचिव परीक्षा/सहायक कुलसचिव, गोपनीय विभाग
4. डॉ. राजेश श्रीवास, अध्यक्ष–हिन्दी अध्ययन मंडल एवं सहायक प्राध्यापक, सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय, नवापारा–राजिम।
5. कुलपति जी के सचिव/कुलसचिव के निज सहायक, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ।

कक्ष अधिकारी (अका.)

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट–5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय : व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक–एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यास : 1. गबन – मुंशी प्रेमचंद

कहानी :
1. पूस की रात – मुंशी प्रेमचंद
2. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
3. परदा – यशपाल
4. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
5. मलबे का मालिक – मोहन राकेश
6. चीफ की दावत – भीष्म साहनी
7. जली हुई रस्सी – गुलशेर खां शानी
8. नकेली हीरे – मन्नू भंडारी

द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित चार कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्ही दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

1. उपेन्द्रनाथ अश्क 2. बालशौरि रेड्डी 3. शिवानी 4. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक – 21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक – 24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक – 15
15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक – 15
	कुल – 75 अंक

02/08/2022

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या 18 कालखण्ड

इकाई दो– गबन (उपन्यास), पूस की रात, आकाशदीप, परदा (कहानियॉ) 18 कालखण्ड

इकाई तीन –लाल पान की बेगम, मलबे का मालिक, चीफ की दावत, जली हुई रस्सी, नकली हीरे 18 कालखण्ड

इकाई चार –(क)द्रुत पाठ के कथाकार– उपेन्द्रनाथ अश्क, बालशौरि रेड्डी, शिवानी, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(ख)हिंदी कथा साहित्य का विकास 18 कालखण्ड

इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (CLO)

1. विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास एवं हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित कराना।
2. उपन्यास एवं कहानी विधा की शिल्पगत विशेषताओं से अवगत कराना।
3. मुंशी प्रेमचंद एवं सुप्रसिद्ध कहानीकारों के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के साहित्यकारों के रचनात्मक कौशल एवं हिंदी कथा साहित्य की अंतर्वस्तु की समझ विकसित करना।

Admin
08/08/2023